TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

16 अगस्त 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते, लेकिन आप अपनी आदतें बदल सकते हैं और निश्चित रूप से आपकी आदतें आपका भविष्य बदल देगी ।

एपीजे अब्दुल कलाम

राकेश कुमार

दिवस विशेष

16 अगस्त

मधु प्रिया

सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म 16 अगस्त

सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म 16 अगस्त 1904 को नाग पंचमी के दिन इलाहाबाद के निकट नेहालपुर नामक गांव में रामनाथ सिंह के जमींदार परिवार में हुआ था। वह हिंदी की सुप्रसिद्ध कवयित्री, लेखिका और स्वतंत्रता सेनानी थी। उनके दो कविता संग्रह तथा तीन कथा संग्रह प्रकाशित हुए ,पर उनकी प्रसिद्धि "झांसी की रानी" कविता के कारण है। उनके काव्य संग्रह है : मुकुल और त्रिधारा। उनके कहानी संग्रह है- बिखरे मोती उन्मादिनी, सीधे-साधे चित्र। बाल्यकाल से ही वे कविताएं रचने लगी थी, उनकी रचनाएं राष्ट्रीयता की भावना से परिपूर्ण है। सुभद्रा कुमारी चौहान चार बहने और दो भाई थी। उनके पिता ठाकुर रामनाथ सिंह शिक्षा के प्रेमी थे और उन्हीं की देखरेख में उनकी प्रारंभिक शिक्षा भी हुई। इलाहाबाद के क्रास्थवेट गर्ल्स स्कूल में महादेवी वर्मा उनकी जूनियर और सहेली थी। 1919 में खंडवा के ठाकुर लक्ष्मण सिंह के साथ विवाह के बाद वे जबलपुर आ गई थी। 1921 में गांधीजी के असहयोग आंदोलन में भाग लेने वाली प्रथम महिला थी। वे दो बार जेल भी गई थी। सुभद्रा कुमारी चौहान की जीवनी इनकी पुत्री सुधा चौहान ने "मिला तेज से तेज" नामक पुस्तक में लिखी है। इसे हंस प्रकाशन इलाहाबाद ने प्रकाशित किया है।वे एक रचनाकार होने के साथ-साथ स्वाधीनता संग्राम के सेनानी भी थी। डॉ मंगला अनुजा की पुस्तक "सुभद्रा कुमारी चौहान" उनके साहित्य और स्वाधीनता संघर्ष के जीवन पर प्रकाश डालती है, साथ ही स्वाधीनता आंदोलन में उनके कविता के जरिए नेतृत्व को भी रेखांकित करती है। 15 फरवरी 1947 को एक कार दुर्घटना में इनका आकस्मिक निधन हो गया था

जयंती विशेष 16 अगस्त

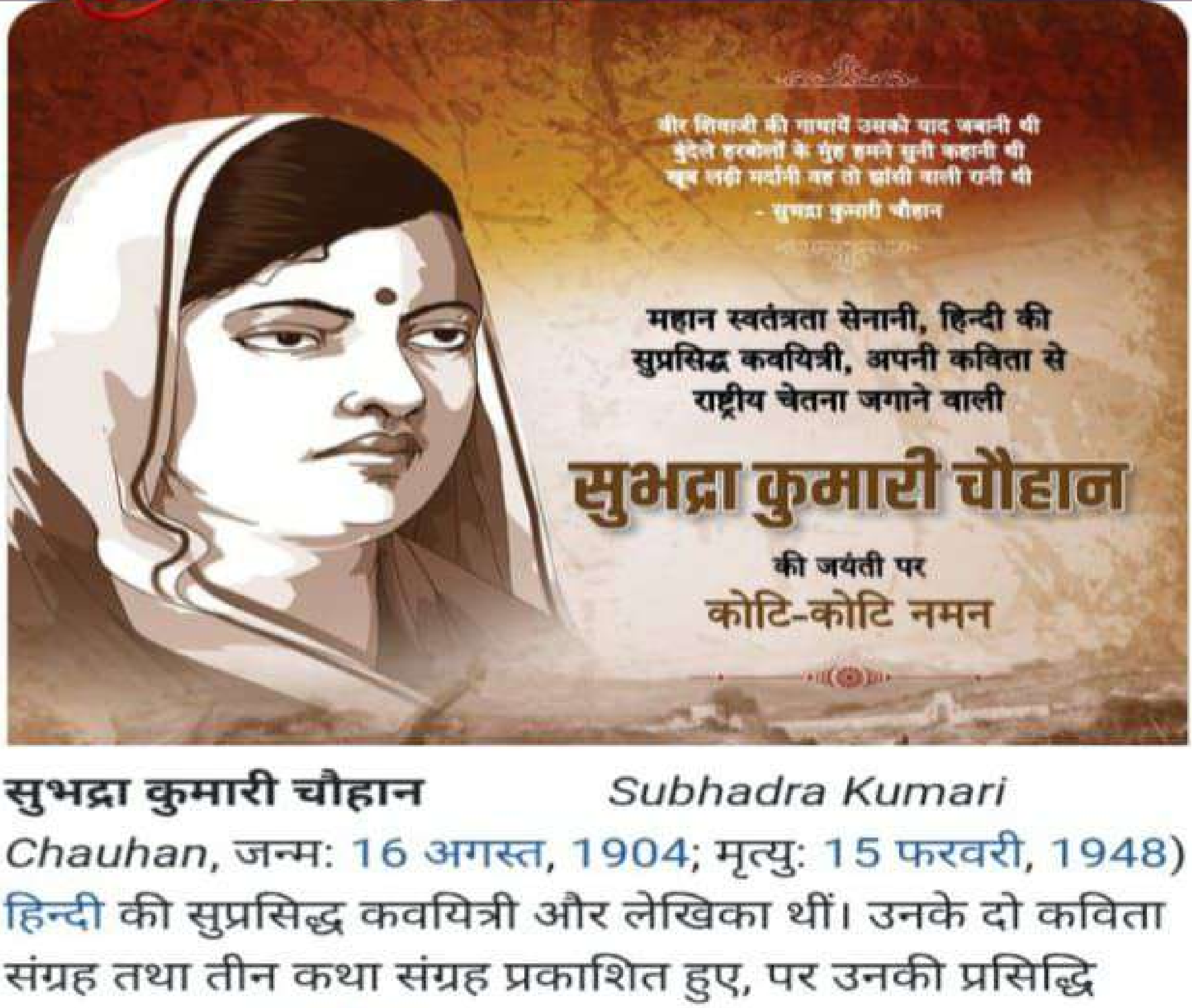

सुभद्रा कुमारी चौहान *Subhadra Kumari Chauhan*, जन्म: 16 अगस्त, 1904; मृत्यु: 15 फरवरी, 1948) हिन्दी की सुप्रसिद्ध कवयित्री और लेखिका थीं। उनके दो कविता संग्रह तथा तीन कथा संग्रह प्रकाशित हुए, पर उनकी प्रसिद्धि 'झाँसी की रानी' कविता के कारण है। सुभद्रा जी राष्ट्रीय चेतना की एक सजग कवयित्री रहीं, किन्तु उन्होंने स्वाधीनता संग्राम में अनेक बार जेल यातनाएँ सहने के पश्चात् अपनी अनुभूतियों को कहानी में भी व्यक्त किया। वातावरण चित्रण-प्रधान शैली की भाषा सरल तथा काव्यात्मक है, इस कारण उनकी रचना की सादगी हृदयग्राही है।

शून्य (zero)

शून्य एक पूर्णांक है। यह पहली प्राकृतिक पूर्णांक संख्या है। केवल शून्य ही एकमात्र संख्या है जो वास्तविक भी है, धनात्मक भी है, ऋणात्मक भी है और पूर्णतः काल्पनिक भी है।

गुण (property)

a+o=a

a-o=a

a×o=o

इतिहासकारों का मानना है कि शून्य का आविष्कार भारतीयों ने लगभग 875वर्ष(500ईसा पूर्व से 600 ईसा पूर्व) वैदिक काल में किया था। शून्य को एक छोटे गोले द्वारा दर्शाया गया था।

TOB खेल कॉर्नर

भारत ने कब-कब की मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट की मेजबानी

इवेंट	साल	शहर
एशियाई गेम्स	1951	नई दिल्ली
एशियाई गेम्स	1982	नई दिल्ली
कॉमनवेल्थ गेम्स	2010	नई दिल्ली

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 16.08.2025

काव्यात्मक भाषा

काव्यात्मक भाषा, जिसे काव्यभाषा भी कहा जाता है, एक ऐसी भाषा है जिसका उपयोग कविता, गीत, और अन्य साहित्यिक विधाओं में अर्थ और भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किया जाता है। यह भाषा आमतौर पर शाब्दिक अर्थ से परे, रूपक, उपमा, और अन्य साहित्यिक उपकरणों का उपयोग करती है ताकि पाठक या श्रोता के मन में एक मजबूत छवि या भावना पैदा की जा सके।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

चीन समंदर के नीचे ऐसा **डेटा सेंटर बना** रहा है, जिसे ठंडा करने के **लिए AC** नहीं, 4°C का **समुद्री पानी इस्तेमाल होगा।** न ताजे पानी **की बर्बादी,** न ज्यादा बिजली खर्च, सस्ती **और स्मार्ट** टेक्नोलॉजी **का कमाल!**

राकेश कुमार

Teachers of Bihar

The change makers

गुणकारी सब्जियां

आलू

मुझमें कार्बोहाइड्रेट, डाइटरी फाइबर, प्रोटीन,एमीनो एसिड,vit.C, कैल्शियम, सोडियम, पोटेशियम आदि पाया जाता है।

Anu priya

www.teachersofbihar.org

पद्य पंकज

"

जो बसे है,वे उजड़ते है
प्रकृति के जड़ नियम से
पर किसी उजड़े हुए को
फिर बसाना कब मना है
है अंधेरी रात पर
दीप जलाना कब मना है।

हरिवंशराय बच्चन

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

16 अगस्त
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
क्रान्तिकारी और साहित्यिक वीरांगना
सुभद्रा कुमारी चौहान
की जयंती पर सादर नमन।
16 अगस्त 1904-15 फरबरी 1947
Madhu priya
www. teachersofbihar.org

भारत रत्न
25 दिसंबर 1924
16 अगस्त 2018
भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, कवि,प्रखर वक्ता
अटल बिहारी वाजपेयी
की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Madhu priya
/teachersofbihar

Happy Krishna Janmashtami
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

श्री कृष्ण
जन्माष्टमी
की समस्त देशवासियों को हार्दिक
शुभकामनाएं।
Madhu priya
/teachersofbihar

Happy Krishna Janmashtami

Madhu priya

www.teachersofbihar.org